A Name in Girls Higher Education

श्री नवलगढ़ स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय

आठों हवेली के पास, नानसा गेट, नवलगढ़ 333042 (राज.)

(श्री नवलगढ़ विद्यालय कमेटी, कोलकाता द्वारा संचालित)

राजस्थान विश्वविद्यालय से स्थाई मान्यता प्राप्त

विवरणिका

2013-2014

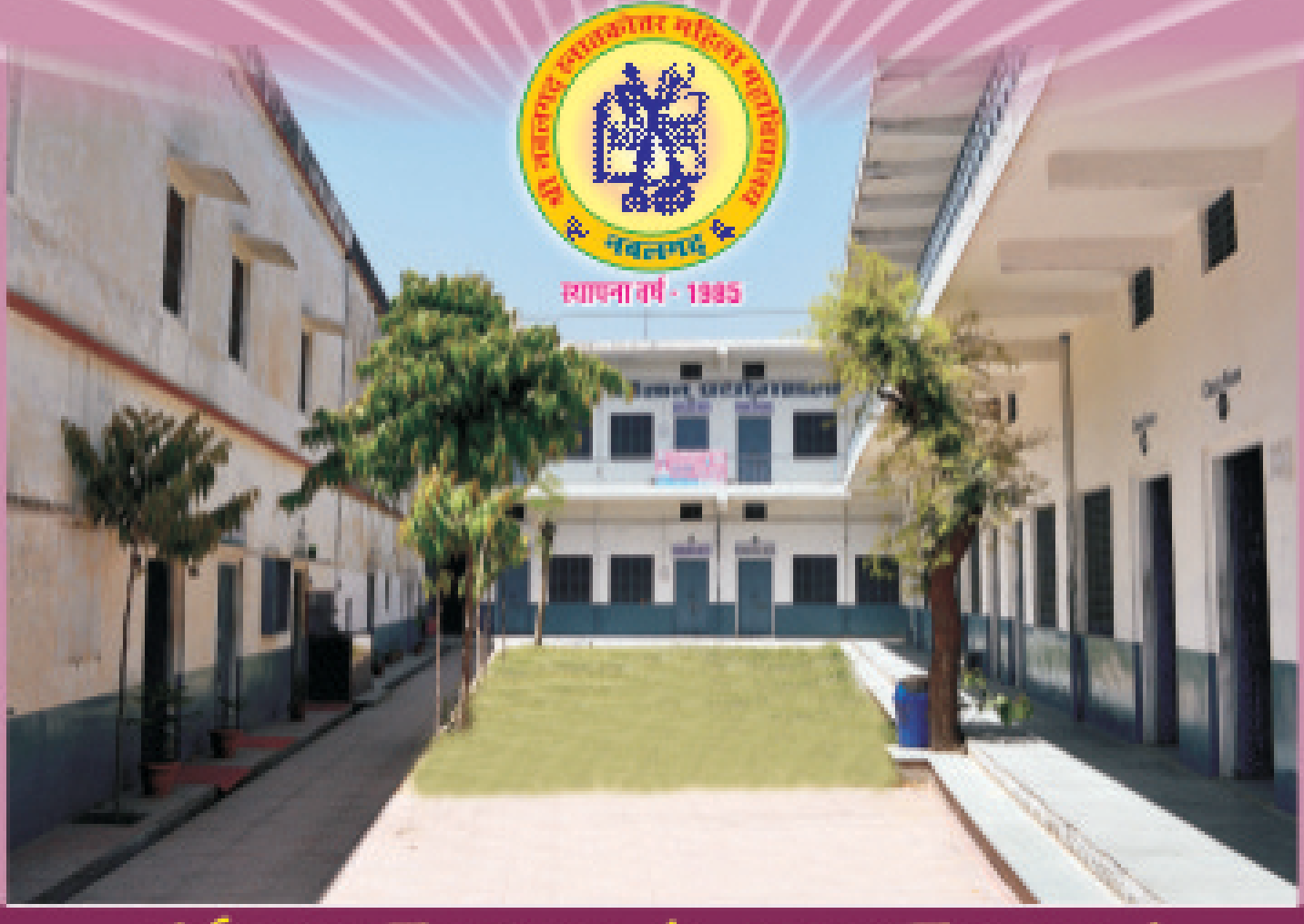

Your Future is our Focus !

"28 साल के गौरवशाली इतिहास के साथ बालिका उच्च शिक्षा को समर्पित विश्वसनीय, प्रतिष्ठित, शहर के मध्य में स्थित नवलगढ़ का प्रथम महिला महाविद्यालय"

श्री बनवारीलाल जालान
ट्रस्टी एवं अध्यक्ष
श्री नवलगढ़ विद्यालय कमेटी, कोलकाता

श्री दिनेशकुमार सेकसरिया
ट्रस्टी एवं उपाध्यक्ष
श्री नवलगढ़ विद्यालय कमेटी, कोलकाता

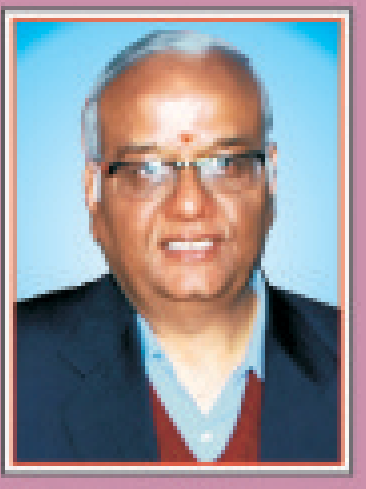

श्री पवनकुमार जालान
सचिव
श्री नवलगढ़ विद्यालय कमेटी, कोलकाता

श्री शिवकुमार कयाल
सहसचिव एवम् कोषाध्यक्ष
श्री नवलगढ़ विद्यालय कमेटी, कोलकाता

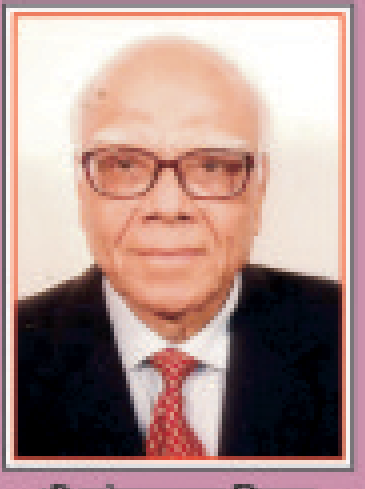

श्री सुरेन्द्रकुमार बिरला
ट्रस्टी एवं सदस्य
श्री नवलगढ़ विद्यालय कमेटी, कोलकाता

श्री सुरेशकुमार सीगड़
अध्यक्ष
श्री नवलगढ़ विद्यालय कमेटी, नवलगढ़

श्री श्रीलाल अग्रवाल
सचिव
श्री नवलगढ़ विद्यालय कमेटी, नवलगढ़

श्री अनिल अग्रवाल
सह - सचिव
श्री नवलगढ़ विद्यालय कमेटी, नवलगढ़

अध्यक्ष की कलम से.....

मुझे परम हर्ष और गौरव का अनुभव हो रहा है कि महिला उच्च शिक्षा के लिए 1985 में स्थापित श्री नवलगढ़ स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय वट वृक्ष की तरह अनेक संकायों तथा सह-शैक्षिक गतिविधियों को अपनी बांहों में समेटे हुए विकास करता हुआ शीर्ष पर स्थित है।

श्री नवलगढ़ विद्यालय कमेटी ने पिछले सालों से लगातार बदलते समय की आवश्यकता के अनुसार शैक्षिक क्षेत्र में गौरवशाली कीर्तिमान स्थापित किये हैं। शिक्षा का मूल उद्देश्य मनुष्य को ज्ञानवान व सुसंस्कृत बनाना है। आज छात्राओं को किताबी ज्ञान से अधिक प्रायोगिक ज्ञान की आवश्यकता है। शिक्षा से तात्पर्य 'विद्या ददाति विनयम्' से प्रारम्भ होकर 'सा विद्या विमुक्तये' तक जाता है। हमें यह याद रखना चाहिए कि नैतिक मूल्य, अच्छी आदतें और सद्गुण जन्मजात नहीं होते, वे सीखे जाते हैं। विद्यार्थी जीवन में मानव पर जैसे संस्कार पड़ जाते हैं वैसा ही उसका जीवनरूपी वृक्ष खड़ा होता है। एक बार तनिक भी बुराई आने पर मानव का समस्त जीवन दुःखदायी बन जाता है। विद्यार्थी जीवन को मानव जीवनरूपी प्रासाद की नींव भी कहा जा सकता है। आज का विद्यार्थी एक विशाल विश्व में निवास करता है। अतः उसमें विश्व बंधुत्व की भावना का विकास भी आवश्यक है।

अयं निजः परोवेति गणना लघुचेतसाम्।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुंबकम्।।

अर्थात् यह मेरा है या दूसरे का- यह छोटे विचारवालों की बात है। उदार व्यक्तियों के लिए तो सारी पृथ्वी ही कुटुंब है। जिसमें सम्पूर्ण मानवता को एक कुटुंब माना गया है। हम वर्तमान में सहज सुविधाभोगी होकर भविष्य को निर्मित नहीं कर सकते बल्कि वर्तमान के प्रत्येक पल को कठोर संघर्ष में झोंककर ही भविष्य को चमका सकते हैं। हम वर्तमान के गहरे पानी में पैठकर भविष्य का मोती प्राप्त कर सकते हैं। व्यक्ति को सपने तो लेने चाहिए, अपने लक्ष्यों को उच्च रखना चाहिए, किन्तु उन्हें प्राप्त करने की प्रक्रिया हवाई न हो वह यथार्थ की ठोस जमीन पर आधारित हो। डॉ. कलाम का देश के युवाओं के लिए मंत्र है 'सपने देखिये, पहले उन्हें विचारों में और फिर क्रिया रूप में साकार कीजिए'।

एक ज्ञानपीपासु ने एक महात्मा से प्रश्न किया- 'महाराज, इस संसार में वह कौन-सी वस्तु है जो सबसे तेज भागती है?' महात्मा कुछ देर तक मौन रहे, फिर गंभीरता पूर्वक बोल उठे- 'समय'। सचमुच संसार में समय ही सबसे अधिक गतिशील है।

समय की गति में बंधा यह महाविद्यालय निरन्तर परिवर्तन की ओर अग्रसर है। आज का युग कम्प्यूटर का युग है। कम्प्यूटर का प्रयोग हर व्यवसाय, तकनीकी संस्थान, बड़े-बड़े उत्पादकों का लेखा-जोखा, भावी उत्पादन का अनुमान, यंत्रों की परीक्षा व भविष्य गणना, अंतरिक्ष यात्रा, मौसम सम्बन्धी सही जानकारी तथा शल्य चिकित्सा एवं मुद्रण में किया जा रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय परिसर में छात्राओं के लिए कम्प्यूटर शिक्षा की सुविधा उपलब्ध करवायी गई है। इस सुविधा का उपयोग छात्राओं द्वारा महाविद्यालय में 30 कम्प्यूटर युक्त अत्याधुनिक उच्च स्तरीय वातानुकूलित कम्प्यूटर लेब से किया जाता है।

बनवारीलाल जालान
ट्रस्टी एवं अध्यक्ष,
श्री नवलगढ़ विद्यालय कमेटी, कोलकाता

परिचय एवं पृष्ठभूमि

नवलगढ़ के डेढ़ शताब्दी के गौरवपूर्ण इतिहास में एक विशिष्ट उल्लेखनीय घटना सन् 1907 में हुई जब यहां के कुछ प्रवासी बन्धुओं ने कोलकाता में अपनी स्वप्न दृष्टि और अग्रिम विचारधारा का परिचय दिया। उन्होंने नवलगढ़ में शिक्षा ज्योति के फलपूर्ण प्रसार हेतु एक समिति का गठन किया जिसे उन्होंने श्री नवलगढ़ विद्यालय कमेटी की संज्ञा दी। उसी वर्ष श्री नवलगढ़ विद्यालय की स्थापना हुई जो उत्तरोत्तर उन्नति के पथ पर अग्रसर हुआ और जो आज इस क्षेत्र का एक प्रमुख शिक्षण संस्थान है।

अनेक महान् भविष्य-दृष्टा व्यक्ति-रत्न इस कमेटी के कार्य संचालन और निर्देशन से सक्रिय रूप से सम्बद्ध रहे। वे नवलगढ़ के इतिहास-नभ में ज्योति स्रोत तारकों के समान हैं, जिन्होंने अविद्या और अज्ञानता के अन्धकार को विहीन करने का शुभ संकल्प लिया। इस व्यापक शिक्षा का एक पक्ष और था जिसकी ओर भी समिति के प्रबुद्ध सदस्यों का ध्यान आकृष्ट हुआ। नगर में उच्च शिक्षा प्रदान करने वाले एक महिला महाविद्यालय का नितान्त अभाव था। कौस्तुभ जयन्ती समारोह कोलकाता में मई 1985 में आयोजित किया गया। इसी आयोजन के अवसर पर नगर में महिला महाविद्यालय की स्थापना का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री सुदर्शन कुमार बिरला ने कहा ''हमें यह जानकर बड़ी प्रसन्नता हुई है कि श्री नवलगढ़ विद्यालय के विकास की कड़ी के रूप में बालिका महाविद्यालय की स्थापना हो रही है। शेखावाटी क्षेत्र में आधुनिक शिक्षा के सबसे पहले के केन्द्र स्थल पिलानी और नवलगढ़ ही हैं।''

कौस्तुभ जयन्ती समारोह सितम्बर 1985 में नवलगढ़ में आयोजित किया गया एवम् इसी अवसर पर नवलगढ़ के भूतपूर्व शासक रावल मदनसिंहजी ने करतल ध्वनि व हर्षोल्लास के बीच महिला महाविद्यालय का उद्घाटन किया। अपनी स्थापना से लेकर अब तक महाविद्यालय निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। सन् 1986 में राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा इसे स्नातक स्तर तक की मान्यता प्राप्त हुई। आज इस संस्था में कला संकाय में स्नातकोत्तर स्तर तक एवं विज्ञान संकाय में स्नातक स्तर तक शिक्षा प्रदान की जाती है।

महाविद्यालय की छात्राओं को स्तरीय शिक्षा प्रदान करने, सह शैक्षणिक व खेलकूद गतिविधियों को विकसित करने एवं छात्राओं में सुसंस्कारों का विकास करने के प्रति हम दृढ़ संकल्पित हैं।

नवलगढ़ क्षेत्र में हम इस स्वप्न की पूर्ति में प्रयासरत हैं कि कोई साधन विहीन छात्रा उच्च शिक्षा से वंचित ना रहे, इस स्वप्न को साकार करने के लिए स्थानीय प्रबंध समिति ने गत सत्र में 42 पितृविहीन छात्राओं को निःशुल्क शिक्षण उपलब्ध कराया है।

श्रीलाल अग्रवाल

सचिव

सन्देश

प्रिय अभिभावको एवं छात्राओं,

सर्वप्रथम मैं महाविद्यालय एवं मेरी ओर से आपको बधाई एवं शुभकामना देना चाहूंगा कि आपने इस महाविद्यालय से जुड़ने का बिलकुल सही व सटीक निर्णय लिया है। मैं आपको बताना चाहूंगा कि आज आप उस महाविद्यालय से जुड़ने जा रहे जिसका एक गरिमामय एवं गौरवशाली इतिहास रहा हैं।

1985 में महज एक विचाररूपी महिला महाविद्यालय का बीज आज एक विशाल वृक्ष का रूप धारण कर चुका है ओर निरंतर बढ़ता ही जा रहा हैं। चूँकि नारी सुखी जीवन, सुसंस्कृत समाज तथा सशक्त राष्ट्र की रचना का मूलभूत आधार है। अत: उसे शिक्षित करना पूरे समाज, राष्ट्र व सम्पूर्ण मानवता को शिक्षित करना हैं।

बालिका शिक्षा को समर्पित यह महाविद्यालय पिछले 28 वर्षों से हर क्षेत्र में निरंतर व अनवरत सफलता पर सफलता प्राप्त करते जा रहा हैं जिसका श्रेय मैं किसी एक व्यक्ति विशेष को न देकर महाविद्यालय की कोलकाता कमेटी, स्थानीय प्रबन्ध समिति, प्राचार्य, समस्त स्टाफ के साथ- साथ प्रत्येक छात्रा एवं उनके अभिभावको को भी देना चाहूंगा जिन्होंने हमें अपना हर तरह से प्रत्यक्ष- अप्रत्यक्ष सहयोग प्रदान किया एवं अपनी आस्था ओर विश्वास इस महाविद्यालय में दिखाया है।

महाविद्यालय एवं मेरी ओर से आपको विश्वास एवं यकीन दिलाना चाहूंगा कि हम हमारी ओर से आपकी हर आशाओं व अपेक्षाओं पर खरा उतरने की पूरी- पूरी कोशिश करेंगें तथा आपके इस महाविद्यालय में प्रवेश के निर्णय को सही व सार्थक साबित करेंगें। साथ ही हम भी प्रत्येक छात्रा से यह आशा व उम्मीद रखते हैं कि प्रत्येक छात्रा महाविद्यालय में निरंतर उपस्थित होकर अपनी शिक्षा प्राप्त करेगी व महाविद्यालय की गरिमा, गौरव, अनुशासन व व्यवस्था को बनाये रखने में अपना पूरा- पूरा सहयोग प्रदान करेगी।

आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ....

अनिल अग्रवाल
सह- सचिव

प्राचार्य की कलम से

प्रिय छात्राओं,

नूतन सत्र 2013-2014 में महाविद्यालय परिवार की ओर से मैं आप सभी का हार्दिक अभिनन्दन एवं स्वागत करता हूँ। श्री नवलगढ़ स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय अपनी गौरवमयी परम्पराओं और यशस्वी उपलब्धियों के साथ निरन्तर प्रवाह से सतत् उन्नति करता हुआ, बहुमुखी प्रतिभाओं का विकास कर विभिन्न क्षेत्रों में लगातार उच्च आयाम स्थापित करते हुए महिला उच्च शिक्षा को समर्पित है।

महाविद्यालय का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना ही नहीं बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से छात्राओं के सर्वांगीण विकास को सम्भव बनाना है और छात्राओं के व्यक्तित्व को नैतिक और सांस्कृति मूल्यों से परिपूर्ण करना है।

मैं महाविद्यालय की छात्राओं से अपेक्षा रखता हूँ कि अपने महत्व को पहचाने तथा समाज व राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व को पूरा करने के लिए अपने को सही मायनों में अन्दर से शिक्षित होने दें। कॉलेज जीवन की चमक-दमक में अपने को भटकने न दें, क्योंकि समाज में आज इतनी विकृति आ चुकी है कि हर सही बात को बुरा तथा गलत को अच्छा माना जाने लगा है। अतः आपको शिक्षित होकर सही व गलत में भेद कर सकने की क्षमता को विकसित करना है तथा 'अन्दर से कुछ और व बाहर से कुछ और' की जटिलता को दूर कर अन्दर व बाहर की सरलता को अपनाना है क्योंकि दिखावा दूसरों को कम स्वयं को ज्यादा धोखा देता है।

आप अपने उद्यम और चरित्र से राष्ट्र की आकांक्षाओं एवं आवश्यकताओं के अनुरूप नई सोच एवं रचनात्मक दृष्टिकोण से शैक्षणिक उन्नयन तथा सामाजिक सरोकारों का निर्वहन करेंगे। आपसे आशा करता हूँ कि अर्जुन की भांति आँख को ही अपने सम्मुख लक्ष्य रखकर सर्वांगीण विकास करते हुए सफलता के शिखर पर पहुँच कर अपने घर, परिवार, महाविद्यालय एवं देश का नाम रोशन करें।

मैं छात्राओं के अभिभावकों को आश्वस्त करना चाहूंगा कि यह महाविद्यालय आपके बच्चों की उचित देख-रेख और पढ़ाई-लिखाई के प्रति सचेत नजर से विकास की ओर उन्मुख रहेगा तथा आपकी स्वप्निल कामनाओं को साकार रूप में लाने के लिए दृढ़ संकल्पता के साथ वचनबद्ध है।

मैं विशेषरूप से श्री श्रीलाल जी अग्रवाल, सचिव, श्री अनिल जी अग्रवाल, सह-सचिव, स्थानीय प्रबन्ध समिति एवं कोलकाता समिति के पदाधिकारियों का आभारी हूँ जो समय-समय पर हमारी समस्याओं का निदान कर अपने कुशल व विवेकपूर्ण परामर्श द्वारा हमें दिशा निर्देश देते रहते हैं।

छात्राओं का हार्दिक आभार कि आपने उच्चशिक्षा के लिये इस महाविद्यालय को चुना। नया सत्र आप सभी के लिए मंगलमय और उपलब्धियों से भरपूर हो।

शुभ कामनाओं के साथ ....

विनोद सैनी
प्राचार्य

श्री नवलगढ़ विद्यालय कमेटी, कोलकाता

ट्रस्टी एवम् अध्यक्ष	:	श्री बनवारीलाल जालान
ट्रस्टी एवम् उपाध्यक्ष	:	श्री दिनेश कुमार सेकसरिया
सचिव	:	श्री पवन कुमार जालान
सह सचिव कोषाध्यक्ष	:	श्री शिवकुमार क्याल
ट्रस्टी एवम् सदस्य	:	श्री सुरेन्द्र कुमार बिरला
सदस्य	:	श्री जुगलकिशोर भगत
सदस्य	:	श्री सत्यनारायण जालान
सदस्य	:	श्री आदित्य सेकसरिया
सदस्य	:	श्री गोपालप्रसाद पाटोदिया
सदस्य	:	श्री आलोक कुमार भगत
सदस्य	:	श्री अरुण कुमार पाटोदिया
सदस्य	:	श्री प्रदीप कुमार पुरालका
सदस्य	:	श्री ताराचन्द पाटोदिया
सदस्य	:	श्री कैलाश कुमार परसरामपुरिया
सदस्य	:	श्री पवन कुमार पाटोदिया
सदस्य	:	श्री सुरेन्द्र कुमार मोर
सदस्य	:	श्री ओमप्रकाश जालान

श्री नवलगढ़ विद्यालय कमेटी, नवलगढ़

अध्यक्ष	:	श्री सुरेश कुमार 'एडवोकेट'	फोन : 222165
सचिव	:	श्री श्रीलाल अग्रवाल	फोन : 222365
सह-सचिव	:	श्री अनिल अग्रवाल	फोन : 225835
सदस्य	:	श्री गजानन्द खलिया	
सदस्य	:	श्री महावीरप्रसाद बियाणियाँ	फोन : 222120
सदस्य	:	श्री बालकृष्ण मोदी	फोन : 224988
सदस्य	:	श्रीमती गीता देवी अग्रवाल	
सदस्य	:	श्रीमती अनिता मोदी	
सदस्य	:	श्रीमती मंजू चौधरी	
सदस्य	:	श्रीमती तारा सैनी	
सदस्य	:	प्राचार्य, एस.एन. पी.जी. महिला महाविद्यालय, नवलगढ़	फोन : 223316
सदस्य	:	प्राचार्य, एस.एन. गर्ल्स बी.एड. कॉलेज, नवलगढ़	फोन : 222013
सदस्य	:	विश्वविद्यालय प्रतिनिधि	
सदस्य	:	स्टाफ प्रतिनिधि एस.एन. पी.जी. महिला महाविद्यालय	

श्री संतोषकुमार बागड़ोदिया पूर्व केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार को प्रतीक चिन्ह भेंट कर अभिनंदन करते हुए स्थानीय प्रबन्ध समिति के सचिव श्री ओलाल अग्रवाल

श्री बनवारीलाल जालान अध्यक्ष नवलगढ़ विद्यालय कमेटी, कोलकाता को प्रतीक चिन्ह भेंट कर अभिनंदन करते हुए स्थानीय प्रबन्ध समिति के सह-सचिव श्री अनिल अग्रवाल

श्री मांगीलाल सेठिया, पूर्व अध्यक्ष तेरापंथी समाज को प्रतीक चिन्ह भेंट कर अभिनंदन करते हुए नवलगढ़ विद्यालय कमेटी, कोलकाता के सदस्य श्री ओमप्रकाश जालान

श्री ओमप्रकाश जालान, सदस्य नवलगढ़ विद्यालय कमेटी, कोलकाता को प्रतीक चिन्ह भेंट कर अभिनंदन करते हुए श्री ओलाल अग्रवाल तथा प्राचार्य श्री विनोद सैनी

अनुक्रम

01. संदेश (अध्यक्ष, श्री नवलगढ़ विद्यालय कमेटी, कोलकाता)	02
02. परिचय और पृष्ठ भूमि (सचिव, श्री नवलगढ़ विद्यालय कमेटी, नवलगढ़)	03
03. प्राचार्य की कलम से	04
04. उच्चतम् अंक प्राप्त कर कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त छात्राएं एवं गत वर्ष का परीक्षा परिणाम	05
05. प्रवेश सम्बन्धी नियम	06
06. छात्राओं के लिये नियम संहिता	06
07. पाठ्यक्रम	07
08. उपस्थिति, पुस्तकालय एवं वाचनालय	08
09. बुक बैंक एवं खेलकूद व अन्य गतिविधियां	09
10. छात्रवृत्तियां	10
11. अभिप्रेरणा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना	11
12. सुविधाएं एवम् क्रियाकलाप	12
13. कम्प्यूटर लेब एवं विज्ञान प्रयोगशाला	12
14. निकट भविष्य की संभावनाएं और योजनाएं, NCC एवं विवाद निवेदिता फोरम	12
15. शैक्षणिक सत्र सारिणी 2012 – 2013	13
16. सत्र 2012 – 2013 की गतिविधियां एवं अवकाश	13

उच्चतम् अंक प्राप्त कर कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त छात्राएं :

प्रज्ञा मिश्रा
एम.ए. उत्तरार्द्ध, संस्कृत

सुमन कुमारी
एम.ए. पूर्वार्द्ध, संस्कृत

ज्योति अग्रवाल
एम.ए. उत्तरार्द्ध, राजनीति विज्ञान

प्रियंका सैनी
एम.ए. पूर्वार्द्ध, राजनीति विज्ञान

बसंती सैनी
एम.ए. उत्तरार्द्ध, हिन्दी

सुनिता बिसलानिया
एम.ए. पूर्वार्द्ध, हिन्दी

स्नेहल जीवराजका
बी.ए. तृतीय वर्ष

आत्मा बावला
बी.ए. द्वितीय वर्ष

धनेश्वरी सैनी
बी.ए. प्रथम वर्ष

नेहा सैनी
बी.एससी. तृतीय वर्ष

अदिति भारद्वाज
बी.एससी. द्वितीय वर्ष

रितेश्वरी सैनी
बी.एससी. प्रथम वर्ष

इनपें हमें है नाज

विज्ञान वर्ग में सत्र 2011-2012 में 83.33 अंक प्राप्त कर नवलगढ़ (झुंझुनूं) में प्रथम स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन करने वाली छात्रा सुश्री नेहा सैनी को 5020 रु. व प्रतीक चिन्ह प्रदान करते हुए चिकित्सा राज्यमंत्री डॉ. राजकुमार शर्मा एवं संस्था सचिव श्री श्रीलाल अग्रवाल

प्रवेश सम्बन्धी नियम

1. प्रवेश हेतु आवेदन पत्र महाविद्यालय विवरणिका में संलग्न है।
2. प्रवेश हेतु छात्रा का पूर्ण रूप से भरा हुआ आवेदन पत्र अपेक्षित प्रमाण पत्रों सहित कार्यालय में 15 जून 2012 तक जमा करा दें। यदि परीक्षा परिणाम विलम्ब से निकाला गया हो तो उसके पन्द्रह दिन के अन्दर आवेदन पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक है।
3. प्रवेश हेतु चयनित छात्राओं की सूची सूचना पट्ट पर लगाने के पश्चात् छात्राएं घोषित तिथि तक अपना महाविद्यालयी शुल्क जमा करा दें। एक बार जमा कराया शुल्क किसी भी आधार पर वापस नहीं लौटाया जाएगा।
4. विषय परिवर्तन की सामान्यतः छूट नहीं है। छात्राओं को वैकल्पिक विषय का चयन समझदारी से करना चाहिए।
5. महाविद्यालय में प्रथम बार प्रवेश लेने वाली छात्राओं को आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण संलग्न करने अनिवार्य हैं।
   अ. उत्तीर्ण परीक्षा की अंक तालिका की दो सत्यापित फोटोस्टेट प्रतिलिपियां। महाविद्यालय के द्वितीय अथवा तृतीय भाग में प्रवेश लेने वाली छात्राओं को उत्तीर्ण परीक्षा की अंक तालिका की केवल सत्यापित एक फोटोस्टेट प्रतिलिपि संलग्न करनी है।
   ब. छात्रा का पासपोर्ट आकार का फोटो एवं जाति प्रमाण-पत्र की सत्यापित फोटोस्टेट प्रतिलिपि संलग्न करनी है।
   स. पूर्व शिक्षण संस्थान का मूल स्थानान्तरण-पत्र।
   द. सैकण्डरी स्कूल परीक्षा प्रमाण पत्र एवम् अंक तालिका की सत्यापित दो प्रतिलिपियाँ जिसमें जन्म तिथि अंकित हो।
   य. राजस्थान के अतिरिक्त प्रदेशों से अथवा अन्य बोर्ड अथवा विश्वविद्यालय की परीक्षा में उत्तीर्ण छात्राओं द्वारा मूल प्रवजन प्रमाण पत्र। (Original Migration Certificate)
   र. खेल-कूद अथवा सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रमाण पत्रों की फोटोस्टेट प्रतिलिपियां।
   ल. यदि छात्रा SC/ST/BPL/HC है तो SC/ST/BPL/HC के मूल प्रमाण पत्र की दो सत्यापित प्रतिलिपियां।
6. महाविद्यालय में प्रवेश राजस्थान विश्वविद्यालय तथा आयुक्त कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर के निर्धारित नियमों के अन्तर्गत ही दिया जाएगा। सभी कक्षाओं में प्रवेश योग्यता क्रम में किए जायेंगे। किसी कक्षा में स्थान रिक्त होने पर अथवा प्राप्त निर्देशों में छूट आदेश आने पर भी 40% से कम अंक प्राप्त छात्राओं को प्रवेश देना आवश्यक नहीं होगा।
7. प्रवेश के लिए आवेदन पत्र पर छात्रा एवं संरक्षक के सही हस्ताक्षर होने चाहिए। सही हस्ताक्षर ना होने की दशा में आवेदन पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा। त्रुटिपूर्ण अथवा असत्य विवरण का दायित्व संबंधित छात्रा एवं संरक्षक का होगा। ऐसी स्थिति में किसी भी स्तर पर प्रवेश निरस्त कर दिया जा सकता है।
8. प्रवेश लेने वाली छात्रा के सद्व्यवहार और महाविद्यालयी मासिक शुल्कों के लिए उसके माता-पिता/संरक्षक उत्तरदायी होंगे। अतः उन्हें परामर्श है कि वे अपनी संतान/संरक्षित की शैक्षणिक प्रगति, व्यवहार, चरित्र आदि की जानकारी प्राप्त करते रहें। सभी नियम यथा उपस्थिति, पुस्तकालय आदि से संबंधित की अनुपालना के लिए छात्रा एवं अभिभावक संयुक्त रूप से उत्तरदायी हैं। प्रत्येक छात्रा का प्रवेश इन सभी नियमों के लिए सहमति व प्रतिबद्धता के आधीन है।
9. निम्न प्रकार की पुरानी छात्राओं के लिए प्रवेश निषिद्ध रहेगा :
   अ. जिनका व्यवहार व कार्य पूर्व में महाविद्यालय की प्रतिष्ठा के प्रतिकूल रहे हैं।
   ब. स्ववित्तपोषी छात्रा के रूप में प्रथम भाग/द्वितीय भाग की परीक्षा में 50 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने पर द्वितीय/तृतीय भाग में प्रवेश लेना चाहती है।
   स. जो गत परीक्षा में अनुत्तीर्ण घोषित की गयी हों इस श्रेणी की छात्राओं को संबंधित कक्षा में स्थान रिक्त होने पर अनुमति लेने पर ही प्राचार्य द्वारा कक्षा में बैठने की अनुमति दी जा सकती है। ऐसी छात्राएं विश्वविद्यालय की परीक्षा पूर्व छात्रा के रूप में ही दे सकेंगी।

छात्राओं के लिये नियम संहिता

छात्रायें इन आवश्यक बिन्दुओं को अनिवार्यत: अपनाये।

1. अनुशासन :

महाविद्यालय के नियमों एवं व्यवस्थाओं का सतर्कता से पालन करना छात्राओं के लिए आवश्यक है। यह बात छात्राओं एवं अभिभावकों को समझनी चाहिए कि अनुशासनहीनता और अव्यवस्था का सबसे बुरा प्रभाव छात्राओं पर पड़ता है। अत: अनुशासन बनाए रखने के लिए छात्राओं को निम्न बातों पर विशेष ध्यान रखना होगा :-

1. महाविद्यालय की सम्पत्ति को क्षति पहुँचाना, गन्दा करना गंभीर अपराध माना जाएगा।
2. छात्राएं कक्षा में सदैव उपस्थित रहें, उपस्थिति नियमों का पालन करें।
3. अपने खाली समय का पुस्तकालय, वाचनालय अथवा कॉमन रूम में शान्ति से बैठकर उपयोग करें।
4. छात्राओं का व्यवहार विनम्र व शिष्ट होना चाहिए।
5. छात्राएं विविध कार्यक्रमों व आयोजनों में उपस्थित रहें तथा वहां शान्ति व अनुशासन बनाए रखें।
6. महाविद्यालय में किसी भी क्लब, सोसायटी, मंच या संघ का गठन करने से पूर्व प्राचार्य की अनुमति अनिवार्य होगी।
7. प्राचार्य की बिना स्वीकृति कोई भी आयोजन, पार्टी, भाषण आदि आयोजित नहीं हो सकेगा। छात्र-संघ के पदाधिकारी भी अपने स्तर पर बिना अनुमति के ऐसा नहीं कर सकते हैं।
8. महाविद्यालय में प्रत्येक छात्रा को अनुशासित जीवन जीना है, जैसे समय पर महाविद्यालय में आना व प्राचार्य, व्याख्याताओं तथा सहपाठी छात्राओं के साथ अनुशासित व्यवहार करना।
9. कालांश प्रारम्भ होते ही आप अपनी कक्षा में चली जायें। आप किसी भी स्थिति में कक्षा में विलम्ब से नहीं जायें।

2. लक्ष्य प्राप्ति का प्रयत्न एवं आत्मविश्वास :

महाविद्यालय की सभी छात्राओं का लक्ष्य केवल अक्षर ज्ञान या पुस्तकीय ज्ञान प्राप्त करना ही नहीं है बल्कि इसके साथ-साथ मानसिक, शारीरिक, बौद्धिक विकास करते हुए, चरित्र सम्पन्न एवं राष्ट्रभक्त बनना हैं। निरन्तर चिन्तन करते हुए श्रेष्ठ छात्रा बनकर उच्चकोटि के अंक प्राप्त करने का लक्ष्य ही उत्थान में सहायक हैं।

3. महत्वपूर्ण अध्ययन सामग्री (नोट्स) तैयार करना :

उच्चकोटि के अंक प्राप्त करने के लिए छात्राओं को अपने नोट्स बनाने की प्रवृत्ति रखनी चाहिए।

4. महाविद्यालय की सुविधाओं का सदुपयोग :

महाविद्यालय की सुविधाओं जैसे पुस्तकालय, जल, विद्युत आदि का उचित ढंग से उपयोग करना चाहिए। दुरूपयोग से बचना व बचाना चाहिये।

पाठ्यक्रम

महाविद्यालय राजस्थान विश्वविद्यालय से सम्बद्ध है और कला संकाय में स्नातकोत्तर स्तर तथा विज्ञान संकाय में स्नातक स्तर तक शिक्षा प्रदान करता है।

कला संकाय–विषय

एम. ए. (पूर्वार्द्ध व उत्तरार्द्ध) :

विषय : 1. हिन्दी 2. संस्कृत 3. राजनीति विज्ञान

बी. ए. प्रथम भाग :

अ. अनिवार्य विषय : 1. सामान्य अंग्रेजी 2. सामान्य हिन्दी 3. प्रारम्भिक कम्प्यूटर 4. पर्यावरण अध्ययन

ब. वैकल्पिक विषय : (निम्न में से कोई तीन)

1. अंग्रेजी साहित्य/हिन्दी साहित्य 2. इतिहास/अर्थशास्त्र 3. राजनीति शास्त्र 4. समाज शास्त्र/संस्कृत 5. गृह विज्ञान/भूगोल

बी. ए. द्वितीय व तृतीय भाग : गत वर्ष के समान चयनित वैकल्पिक विषय

विज्ञान संकाय–विषय

बी. एस-सी. प्रथम भाग :

अ. अनिवार्य विषय : 1. सामान्य अंग्रेजी 2. सामान्य हिन्दी 3. प्रारम्भिक कम्प्यूटर 4. पर्यावरण अध्ययन

ब. वैकल्पिक विषय : 1. बॉटनी 2. कैमिस्ट्री 3. जूलॉजी

बी. एस-सी. द्वितीय एवं तृतीय भाग :

गत वर्ष के समान चयनित वैकल्पिक विषय

उपस्थिति

1. नियमित छात्रा के लिए थ्योरी एवं प्रेक्टिकल में अलग अलग न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी, जो छात्रा इस नियम को पूरा करने में असमर्थ होंगी, उन्हें स्वयं पाठी (नॉन कॉलेजिएट) के रूप में अलग से परीक्षा फीस जमा कराकर परीक्षा में बैठना होगा।
2. सभी छात्राओं (पूरक परीक्षा में बैठने वाली छात्रा सहित) की उपस्थिति की गणना कक्षा प्रारम्भ होने के प्रथम दिन से की जायेगी। चाहे छात्रा का प्रवेश सत्र में कभी भी हुआ हो।
3. प्रत्येक छात्रा से यह अपेक्षा की जाती है कि वह उपस्थिति की सूचना संबंधित प्राध्यापक से समय समय पर प्राप्त करती रहे।
4. जिस छात्रा की उपस्थिति कम होगी, उसकी सूचना हर टर्म के अन्त में सूचना-पट्ट पर अंकित की जावेगी।
5. यदि कोई छात्रा अपने अध्ययन में निरन्तर अरुचि दिखायेगी अथवा निर्धारित शिक्षित कार्य की अवहेलना करती पायी जायेगी तो उसे विश्वविद्यालय के नियमानुसार परीक्षा में बैठने से रोक दिया जायेगा।

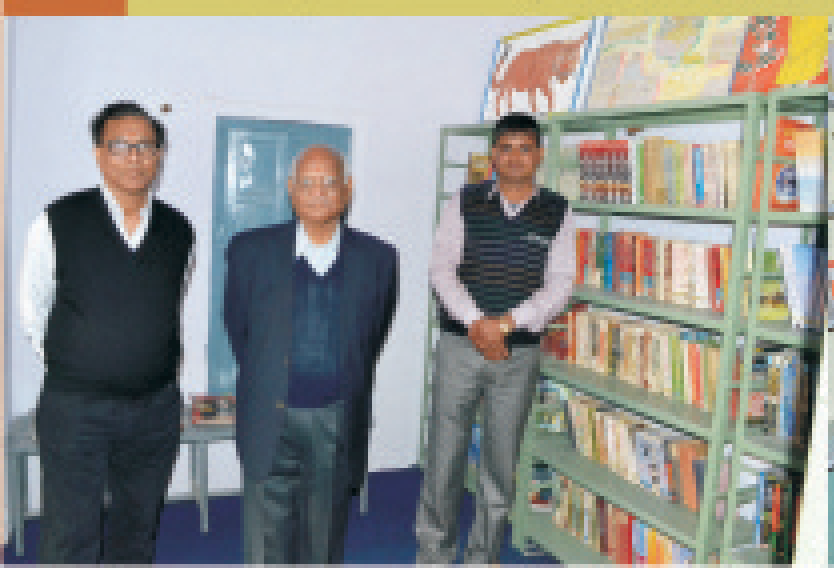

पुस्तकालय

पुस्तकालय शिक्षण संस्था का एक विशिष्ट अंग है, पर उसकी एक पृथक पहचान भी है। पुस्तकों का आज के सूचना-युग में जो विशाल महत्व है उसकी शब्दों में व्याख्या असम्भव है। तीव्र गति से परिवर्तित होते विश्व में पुस्तकें ही स्थिरता का प्रतीक हैं और मानव जाति के मानसिक विकास के लिए एक समृद्ध पुस्तकालय अत्यावश्यक है। वर्तमान में पुस्तकालय में सभी पाठ्यक्रमों से सम्बन्धित पुस्तकों का विशाल संग्रह है परन्तु महाविद्यालय की समयबद्ध योजना के अनुसार उसमें एक संदर्भ कक्ष की स्थापना करके और मूल विषय ग्रन्थों से भी उसे विस्तृत किया गया है।

महाविद्यालय पुस्तकालय के उपयोग हेतु कुछ नियम हैं, जिनका पालन अनिवार्य है। इनका मूल उद्देश्य यह है कि पुस्तकालय पूर्णरूपेण उपयोगी हो। यह प्रत्येक छात्रा का उत्तरदायित्व है कि वह पुस्तक को ठीक ढंग से रखें और उस पर फाउन्टेन पेन अथवा बॉल-पॉइन्ट पेन से कुछ न लिखें और न चिन्ह अंकित करें और उसकी शारीरिक आकृति का भी ध्यान रखें। यदि पुस्तक किसी प्रकार से क्षतिग्रस्त हो जाती है अथवा उसकी उपयोगिता में भारी कमी हो जाती है तो उसे उसका पूर्ण मूल्य दण्ड स्वरूप देना होगा।

बुक-बैंक

1. किसी भी छात्रा को किसी विशिष्ट पुस्तकों के चयन का अधिकार नहीं होगा अर्थात् लेखक की छूट नहीं होगी।
3. प्रत्येक छात्रा को अधिकतम छः पुस्तकें पूरे साल के लिए एवं स्नातकोत्तर व विज्ञान की छात्राओं को सभी पुस्तकें दी जायेंगी।
4. बुक-बैंक में पुस्तकें उपलब्ध होने पर ही पुस्तकें वितरित की जायेंगी।
5. परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को बुक-बैंक से प्राचार्य के अनुमोदन पर अधिक पुस्तकें भी दी जा सकती हैं।
6. राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी, कैडेट, छात्रा को भी बुक-बैंक से प्राचार्य के अनुमोदन पर अधिक पुस्तकें दी जा सकती हैं।
7. परीक्षा प्रवेश पत्र लेने से पूर्व बुक-बैंक की समस्त पुस्तकें लौटानी होगी।

वाचनालय

वाचनालय में विभिन्न प्रकार की दैनिक, साप्ताहिक, मासिक पत्र-पत्रिकाएं नियमित रूप से आती रहती हैं। पत्रिकाएं प्राप्त करने हेतु संबंधित कर्मचारी के पास अपना परिचय-पत्र जमा कराना होगा। छात्राओं को चाहिए कि वे अपने अतिरिक्त समय में शांतिपूर्ण तरीके से यहां बैठकर पत्र-पत्रिकाओं का अध्ययन कर अपने सामान्य ज्ञान का परिमार्जन व विकास करें ।

पुस्तकालय में आने वाली पत्र-पत्रिकाएं-

दैनिक :
1. राजस्थान पत्रिका
2. दैनिक नवज्योति
3. पंजाब केसरी
4. नव-भारत टाईम्स
5. दैनिक अंबर
6. दैनिक भास्कर
7. आसपास
8. हिन्दुस्तान टाईम्स

साप्ताहिक :
1. रोजगार समाचार
2. इतवारी पत्रिका
3. यूनिवर्सिटी न्यूज

मासिक :
1. इण्डिया टुडे
2. क्रोनोलॉजी
3. प्रतियोगिता दर्पण
4. मधुमती
5. योजना
6. सहेली
7. गृहशोभा

वाचनालय में छात्राओं के लिए पत्र-पत्रिकाएं आदि अध्ययन के लिए उपलब्ध होंगी। वाचनालय कक्ष में शान्ति और अनुशासन अनिवार्य है।

SPORTS & OTHER ACTIVITIES

The following activities will be performed by the students of the college.

(I) Quiz contest
(ii) Debate competition
(iii) Extempore speech competition.
(iv) Greeting cards making.
(v) Rakhi Making
(vi) Poem reciting competition.
(vii) Drawing and craft competition.
(viii) Fancy dress Competition.
(ix) Flower & salad arrangement Competition.
(x) Vocal Music Competition.
(xi) Dance Competition.
(xii) Rangoli Competition.
(xiii) Mehandi Competition.
(xiv) Drama Competition.

The Following games activities will be held in the college.

(I) Gymnasium.
(ii) Yoga and Judo.
(iii) Table Tennis.
(iv) Badminton.
(v) Basket ball.
(vi) Throw ball.
(vii) Hockey.
(viii) Rassa-Kassi.
(ix) Volley ball.
(x) Kho-kho
(xi) Kabbadi

For personality and all round development of students, the following activities will be held in the college.

(i) Group discussions in various departments.
(ii) Brain storming competition in various departments.
(iii) Communication skills.
(iv) Health fitness programmes.
(v) It will be compulsory for every student to use library and reading room in order to achieve very high percentage in the university as well as other examinations.

All students of the college must have the habit of real students.

(i) They must be Straight forward. (Upright) **S**
(ii) They must be Thriving (Flourishing). **T**
(iii) They must have very good Understanding about the subject. **U**
(iv) They must have strong Determination about the subject. **D**
(v) They must be Enamour (Charming) **E**
(vi) They must be Nonparallel (Unique) **N**
(vii) They must have high power of Tolerance. **T**

राष्ट्रीय सेवा योजना

भारत सरकार के द्वारा संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की दो इकाइयां महाविद्यालय में संचालित हैं। इस योजना के अंतर्गत छात्राओं की सृजनात्मक एवं रचनात्मक प्रतिभाओं को समाजोन्मुखी बनाने की दृष्टि से श्रमदान, पर्यावरण संरक्षण, गंदगी व रोग निवारण, प्रौढ़ शिक्षा, सामाजिक बुराईयों के प्रति जन जागरण जैसी गतिविधियों का संचालन किया जाता है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में समाज और अपने परिवेश के प्रति संवेदना जागृत करना है। योजना द्वारा समय समय पर निबंध, पोस्टर, नारा-लेखन जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। जिसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र दिया जाता है। इस योजना में 200 छात्राएं भाग ले सकती हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की झलक

विज्ञान प्रयोगशाला

महाविद्यालय में विज्ञान संकाय में अध्ययनरत छात्राओं के प्रायोगिक अभ्यास हेतु वनस्पति विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान की अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशालाएं उपलब्ध हैं।

सुविधाएं एवं क्रियाकलाप

महाविद्यालय की नियमित छात्राओं के स्वस्थ्य मनोरंजन हेतु प्रांगण में ही एक कॉमन रूम तथा स्पोर्टस रूम है जिसमें टेबिल टेनिस के अतिरिक्त कुछ अन्य खेल सामग्री उपलब्ध है, जैसे कैरम, चेस, चाइनीजचैकर्स आदि। छात्राएं यहां अपना रिक्त समय में इनका उपयोग कर व्यतीत कर सकती हैं।

महाविद्यालय में पत्रिका 'निवेदिता' का प्रकाशन होता है जो छात्राओं की योग्यता स्तर का दर्पण है। महाविद्यालय की एक अभूतपूर्व उपलब्धि हस्तलिखित पत्रिका भी है।

महाविद्यालय में एन. एस. एस. की दो इकाईयां भारत सरकार द्वारा स्थापित हैं, इस सेवा का क्षेत्र अत्यन्त व्यापक है और इसका प्रशिक्षण अत्यन्त लाभप्रद सिद्ध होता है।

कम्प्यूटर लैब

महाविद्यालय में एक अत्याधुनिक वातानुकूलित कम्प्यूटर लैब है जिसमें 30 L.E.D. कम्प्यूटर है। छात्राओं के लिए इंटरनेट की 24 घंटे सुविधा उपलब्ध है, जिससे छात्राएं संसार की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जान सकती हैं।

ग्रीष्मकालीन अवकाश में छात्राओं की सुविधा के लिए अतिरिक्त कम्प्यूटर क्लासेज लगायी जाती हैं। जिससे छात्राएं अपने अवकाश का सदुपयोग कर सके।

छात्रवृत्तियाँ

निर्धारित आवेदन-पत्र पर आवेदन किए जाने पर छात्रायें निम्नलिखित छात्रवृत्तियां प्राप्त कर सकती हैं :-

1. सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा देय छात्रवृत्तियाँ :

(अ) मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति-

अनुसूचित जाति, अनु. जन जाति, अल्प संख्यक, विशेष पिछड़ा वर्ग एवं अन्य पिछड़ा वर्ग, (बी.पी.एल.)के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा छात्राओं को मेट्रिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

(क) केवल वे ही छात्राएँ, जो राजस्थान के अनु. जाति, अनु. जन जाति, अल्प संख्यक विशेष पिछड़ा वर्ग एवं अन्य पिछड़े वर्ग(बी. पी. एल) से संबंधित है।

(ख)शिक्षा का एक चरण पुरा करने के बाद दुसरे चरण के लिए छात्रवृत्ति देय नहीं होगी।

(ग) नियोजित छात्राएँ, जिन्होंने पाठ्यक्रम की सम्पूर्ण अवधि की अर्जनिक छुट्टी ली हो तथा जो पूर्णकालिक छात्रा के रूप में अध्ययन कर रही हों, छात्रवृत्ति पाने के पात्र होंगी।

(घ) एक ही माता-पिता/अभिभावक के सभी बच्चे छात्रवृत्ति पाने के हकदार होंगे।

(ङ) कोई अन्य छात्रवृत्ति नहीं दी जाती हो।

(च) अंशकालिक पाठ्यक्रमों के लिए देय नहीं।

(ख) अनु. जाति, अनु. जन जाति के विकलांग छात्राओं के लिए अतिरिक्त प्रावधान :-

दृष्टिहीन छात्राओं के लिए पाठक भत्ता देय होगा।

(स) विकलांगों के लिए छात्रवृत्ति :-

अंधी, बहरी तथा शारीरिक विकलांग छात्राओं को विकलांग छात्रवृत्ति सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा स्वीकृत की जाती है।

नोट : आवेदन की अंतिम तिथि (महाविद्यालय में जमा कराने की)-

16 अगस्त 2012 या सा. न्या. एवं अधि. वि. द्वारा निर्धारित तिथि से 10 दिन पूर्व।

(छात्राओं द्वारा अधूरा फार्म जमा करवाये जाने पर उक्त फार्म को निरस्त कर दिया जायेगा जिसकी छात्रा स्वयं जिम्मेदार होगी। ऐसी छात्राएं जिनके माता-पिता की वार्षिक आय विभाग के नियमों के अन्तर्गत छात्रवृत्ति की श्रेणी में नहीं आती है उनका फार्म निरस्त कर दिया जायेगा। फार्म के साथ केवल तहसीलदार/नायब तहसीलदार द्वारा जारी आय प्रमाण-पत्र ही मान्य होगा। जिन छात्राओं के माता- पिता सरकारी सेवा में हैं उनको छात्रवृत्ति उसी स्थिति में देय होगी कि वे विभाग के नियमों में आती हैं। वे छात्राएं जिनको गत वर्ष छात्रवृत्ति प्राप्त हुई हो वे नवीनीकरण (रिन्यूवल) का फार्म भरें एवं शेष नये प्रवेश वाली छात्राएं एवं पूर्व में अनुत्तीर्ण छात्राएं फ्रेश फार्म भरें।)

नोट : यदि प्रवेशार्थी का प्रवेश परीक्षा परिणाम विलम्ब से जारी होने, पूरक परीक्षा परिणाम या अन्य किसी विशेष कारण से प्रवेश विलम्ब से होता है तो उनके लिए प्रवेश तिथि से 12 दिन के अन्दर-अन्दर छात्रवृत्ति फार्म जमा करवाना अनिवार्य होगा तत् पश्चात् छात्रवृत्ति फार्म स्वीकार नहीं किया जावेगा।

2. निदेशालय कॉलेज शिक्षा विभाग द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्तियाँ :

क्र.सं. छात्रवृत्ति का नाम	पात्रता
1. राष्ट्रीय छात्रवृत्ति अन्तिम तिथि 16 अगस्त 2012	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर या विश्वविद्यालय में योग्यता सूची में आने पर तथा अन्य छात्रवृत्ति धारक न होने पर।
2. आवश्यकता एवं योग्यता छात्रवृत्ति- अन्तिम तिथि 16 अगस्त 2012	राजस्थान के विद्यार्थी, जिन्होंने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की सी. सैकण्डरी/ उपाध्याय या किसी महाविद्यालय से स्नातक परीक्षा 60 प्रतिशत या अधिक अंकों से उत्तीर्ण की हो।
3. मृतक राज्य कर्मचारी के बच्चों	1. राज्य सेवा में कार्य करते हुए मृत कर्मचारी के उच्च शिक्षा में अध्ययनरत बच्चों के लिए।

को देय छात्रवृत्ति :
अन्तिम तिथि 16 अगस्त 2012

2. मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्था में अध्ययन करने व उत्तीर्ण होने पर।
3. अन्य छात्रवृत्ति के साथ देय नहीं।

4. स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों को देय छात्रवृत्ति :
अन्तिम तिथि 16 अगस्त 2012

राजस्थान के स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों को अध्ययनरत होने एवं गत परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर देय

5. भूतपूर्व सैनिकों की पुत्रियों को देय छात्रवृत्ति:
अन्तिम तिथि 16 अगस्त 2012

सीनियर सैकण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण करके महाविद्यालय में प्रवेश लेने पर एवं सभी कक्षाओं के लिए देय।

महाविद्यालय द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति :

1. छात्राएं जिनके पिता की मृत्यु हो गई हो को निःशुल्क शिक्षा दी जाती है।
2. गरीब व प्रतिभावान छात्राओं एवं विधवाओं को आवश्यकतानुसार दिजाने वाली छात्रवृत्ति।

अभिप्रेरणा

महाविद्यालय में छात्राओं को अभिप्रेरित करने की दृष्टि से निम्न विशिष्ट पुरस्कारों का भी प्रावधान है :-

रजत पदक प्रदान करने हेतु उपलब्ध स्थाई कोष :

1. स्थाई कोषों से प्राप्त ब्याज से तथा निम्न दो ट्रस्टों के सहयोग से बी.ए. पार्ट तृतीय, बी.एससी. पार्ट तृतीय एवं एम.ए. उत्तरार्द्ध में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा को रजत पदक प्रदान किया जाता है।
2. श्रीमती सिन्नारी देवी कन्हैया लाल पाटोदिया चैरिटेबल ट्रस्ट।
3. श्रीमती जानकी देवी बिलास राय बूबना चैरिटेबल ट्रस्ट।

1. श्रीमती गिन्नी देवी छावछरिया की स्मृति में 501 रु. प्रतिवर्ष।
2. वाद-विवाद प्रतियोगिता : श्रीमती रामप्यारी देवी झाबरमल क्याल हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता।
3. आर.जी.शाह चैरिटेबल ट्रस्ट, दिल्ली के द्वारा हर वर्ष छात्रवृत्तियां।

निकट-भविष्य की संभावनाएं और योजनाएं

महाविद्यालय एक सार्वजनिक संस्था है, किसी व्यक्ति विशेष अथवा जनवर्ग से इसका कोई सम्बन्ध नहीं है। स्थानीय और कोलकाता प्रबन्ध समितियों का एक स्वप्न है- उनका विचार है कि एक विशाल विकासोन्मुख महिला शिक्षण परिसर के रूप में परिवर्द्धन हो। अनेक योजनाएं हैं जिनमें से कुछ को काल और परिस्थिति के अनुसार प्राथमिकता दी जा रही है।

कम्प्यूटर प्रशिक्षण का कार्य महाविद्यालय में शुरू है। महाविद्यालय में योजना मंच और विचार मंच की गतिविधियां क्रियाशील रहेंगी। कुछ रोजगार सम्बन्धी और मानव विकास संबंधी कार्य भी यहां आरम्भ करने का विचार है, जैसे नेतृत्व विकास, संगीत, चित्रकला, नृत्यकला आदि।

गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी प्रसार भाषण और कुछ चयनित विषयों पर संगोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। शिक्षा में इन विधाओं का एक निर्णायक स्थान है।

सिस्टर निवेदिता फोरम

यह महाविद्यालय की छात्राओं के लिए बनाया गया मंच है। समाज का भावी स्वरूप निर्धारण और तत्सम्बन्धी विभिन्न समस्याओं से संघर्ष पर्याप्त अंशों में भावी महिला पीढ़ी पर निर्भर है। छात्राएं अपनी प्रतिभाओं व भावनाओं का आदान-प्रदान करें, युवतियों सम्बन्धी साहित्यिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम करें, महिला उत्थान और समस्या निवारण की योजनाओं से जुड़ें, उनमें महिला समाज को नेतृत्व देने की उत्कण्ठा व क्षमता जागे, वे स्वयं को अपेक्षित भारतीय परिवेश के अनुरूप तैयार करें, भारतीय जीवन शैली को समझें और उसका यथा आवश्यक परिशोधित रूप प्रसारित करें, भारतीय महिला मनीषियों से प्रेरणा लें आदि इस मंच के प्रमुख उद्देश्य होंगे।

विज्ञान प्रदर्शनी

फोटो प्रदर्शनी

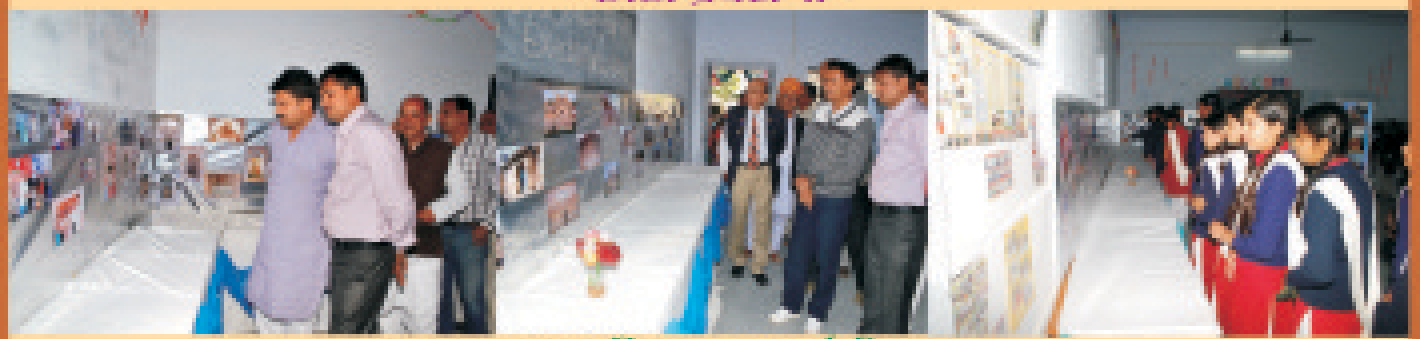

गृह विज्ञान प्रदर्शनी

आर्ट प्रदर्शनी

मेला

पारितोषिक वितरण समारोह

पारितोषिक वितरण समारोह

पारितोषिक वितरण समारोह

सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्राचार्य श्री विनोद सैनी को शॉल, प्रतीक चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित करते हुए वि. रा. मंत्री डॉ. राजकुमार शर्मा

श्री कनिष्क सैनी, उपजिला कलेक्टर नवलगढ़ को प्रतीक चिन्ह प्रदान करते हुए संस्था सचिव श्री श्रीलाल अग्रवाल व प्राचार्य

एन. एस. एस. शिविर के उद्घाटन समारोह में मंचस्थ श्री नरेन्द्र सिंह राठौड़, पुलिस उप अधीक्षक

छात्र सेवा पर आयोजित सेमीनार

शैक्षणिक भ्रमण एक झलक

शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम एक झलक

सांस्कृतिक सप्ताह 'इन्द्र धनुष' में मंचस्थ अतिथि

वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए संस्था सचिव

सर्वश्रेष्ठ छात्रा सुश्री काजल चोटेला को पुरस्कार प्रदान करते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्यमंत्री डॉ. राजकुमार शर्मा एवं पूर्व अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री जे. पी. मिश्रा

विज्ञान वर्ग में सत्र 11-12 में 83.33% अंक प्राप्त कर नवलगढ़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन करने वाली छात्रा सुश्री नेहा सैनी को 5000 रु. व प्रतीक चिन्ह प्रदान करते हुए चि. राज्यमंत्री डॉ. राजकुमार शर्मा

लायन्स क्लब तथा पंडित रामसहाय मैमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में चल-वैजयन्ती प्राप्त करते हुए महाविद्यालय की छात्रा

वाद-विवाद प्रतियोगिता में चल-वैजयन्ती प्राप्त करते विजेता एवं पुरस्कृत करते अतिथि

एन. एस. एस. शिविर में स्वयं सेविकाओं को सम्मानित करते हुए श्री पंकज शर्मा तहसीलदार नवलगढ़ व अतिथि

श्री नवलगढ़ कमेटी नवलगढ़ द्वारा आयोजित अभिनन्दन समारोह को सम्बोधित करते हुए माननीय चेयरमैन श्री कन्हैयालाल जालान

कोलकाता कमेटी के पदाधिकारी अभिनन्दन समारोह में आमंत्रित अतिथियों के साथ

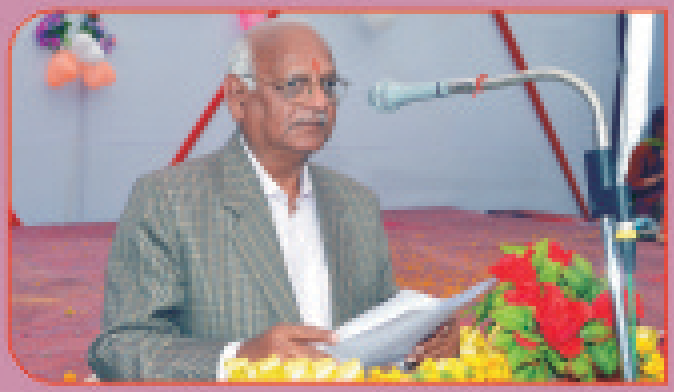

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्यमंत्री डॉ. राजकुमार शर्मा वार्षिकोत्सव में सम्बोधित हुए तथा आमंत्रित अतिथि

वनस्पति शास्त्र प्रयोगशाला

रसायन शास्त्र प्रयोगशाला

भूगोल प्रयोगशाला

प्राणी शास्त्र प्रयोगशाला

कम्प्यूटर प्रयोगशाला

गृह विज्ञान प्रयोगशाला

Contact : 01594-223316, 222326
Mobile : 9314604321, 9828026685, 9309405241
Email : snpgmm@rediffmail.com

₹ 100/-